घटना

तेंदूपत्ता तोड़ने गई थी, ग्राम कुदरी में यह तीसरी घटना, वन विभाग की लापरवाही के चलते हो रहीं ऐसी घटनाएं

सेहरा हार जंगल में टाइगर के हमले में महिला की मौत

चिल्हारी नवभारत 16 मई। राष्ट्रीय उद्यान बांधवगढ़ वन परिक्षेत्र पनपथा रेन्ज के कोर एरिया अंतर्गत ग्राम कुदरी के सेहरा हार जंगल में टाइगर के हमले में तेंदुपत्ता तोड़ने गई महिला की मौत हो गई। इस क्षेत्र में यह तीसरी घटना है।

उपरोक्त घटना स्थल कोर एरिया प्रतिबंधित क्षेत्र कहलाता है जिसमें बाहरी व्यक्ति का प्रवेश पूर्णत: वर्जित है किन्तु वन विभाग की लापरवाही के चलते बाहरी व्यक्ति प्रवेश करते है और ऐसी घटनाएं सामने आती हैं। उपरोक्त जगह में पूर्व में दो आदमियों की जान चली गई थी, किन्तु विभाग के अधिकारियों द्वारा ध्यान नही दिया गया।

बीट गार्ड भी यहां नहीं रहते

ग्रामीणों द्वारा नवभारत को बताया गया है बीट गार्ड शिवकरण बैगा यहां पदस्थ हैं, किन्तु वे यहां नही रहते बल्कि मानपुर में हेड क्वार्टर में रहते हैं, जबकि ग्राम कुदरी से मानपुर की दूरी पचास किमी है। इसी तरह परिक्षेत्र सहायक अमित सिंह ठाकुर जो कि अपना हेड क्वार्टर जिला उमरिया में बनाएं है, लेकिन वे भी कभी कभी आते हैं। आखिर इन घटनाओं का जिम्मेदार कौन है?

जंगल में जानवर मर रहे हैं प्यासे

जंगल में जो भी तालाब पोखरे वन विभाग द्वारा बनाए गए हैं उनमें पानी नहीं होने के कारण जानवर गांव की ओर भाग रहे हैं, क्योंकि विगत वर्षों में सूखते तालाब पोखरों में टैंकर से पानी की पूर्ति की जाती थी जो इन दिनों बन्द है, जिससे जानवर प्यासे मर रहे हैं।

गांव में मचा हड़कम्प

ग्राम कुदरी निवासी 32 वर्षीय ममता यादव, पति पप्पू यादव शनिवार को तेंदूपत्ता तोड़ने के लिए सेहरा हार जंगल गई थीं। इसी दौरान जंगल में मौजूद टाइगर ने उन पर अचानक हमला कर दिया, जिससे महिला की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया। परिजन और ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर पहुंचे। वहीं सूचना मिलने पर वन विभाग का अमला भी मौके पर मौजूद है और पूरे मामले की जांच में जुटा हुआ है।

क्षेत्र में भय और दहशत का माहौल

घटना के बाद पूरे क्षेत्र में भय और दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार टाइगर की मौजूदगी और आवाजाही देखी जा रही है, जिससे जंगल में तेंदूपत्ता तोड़ने और अन्य वन कार्यों के लिए जाने वाले लोगों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। तेंदूपत्ता सीजन में बड़ी संख्या में ग्रामीण रोज जंगल पहुंचते हैं। ऐसे में लगातार हो रही घटनाओं ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है।

जैतपुरी पंचायत भवन में लटका रहता है ताला

ग्रामीण परेशान, सचिव-सरपंच की गैर मौजूदगी से ठप पड़े पंचायत के काम

शहपुरा नवभारत 16 मई। मेंहदवानी जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत जैतपुरी में पंचायत व्यवस्था बदहाल नजर आ रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत भवन में अधिकांश समय ताला लटका रहता है, जिससे ग्रामीणों को जरूरी कार्यों के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार पंचायत भवन केवल शोपीस बनकर रह गया है। न तो सचिव नियमित रूप से पंचायत में बैठते हैं और न ही सरपंच की मौजूदगी रहती है। पंचायत पहुंचने वाले ग्रामीणों को बंद कार्यालय देखकर निराश होकर वापस लौटना पड़ता है या फिर जनपद पंचायत मेंहदवानी के चक्कर लगाने पड़ते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि जैतपुरी पंचायत के सचिव को मनेरी पंचायत का भी प्रभार दिया गया है। इसी वजह से वे अक्सर दूसरी पंचायत में होने का हवाला देकर जैतपुरी पंचायत से गायब रहते हैं।

ग्रामीण भटकने मजबूर

ग्रामीणों का कहना है कि फोन लगाने पर भी सचिव द्वारा टालमटोल जवाब दिया जाता है, जबकि पंचायत भवन में ताला लटका रहता है। गांव के लोगों ने आरोप लगाया कि जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, पेंशन, राशन एवं अन्य पंचायत संबंधी कार्य समय पर नहीं हो पा रहे हैं। भीषण गर्मी में ग्रामीण अपनी समस्याओं को लेकर भटकने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पंचायत भवन में नियमित उपस्थिति सुनिश्चित कर पंचायत व्यवस्था में सुधार किया जाए।

नगर परिषद की लापरवाही से सड़क बनी तालाब

हादसे का इंतजार कर रहा प्रशासन, जनता परेशान लेकिन जिम्मेदार मौन

शहपुरा नवभारत 16 मई। नगर में नगर परिषद की लापरवाही अब आम जनता के लिए मुसीबत बनती जा रही है। नगर के मुख्य मार्ग पर सेंट्रल बैंक के सामने पिछले कई दिनों से सड़क पर पानी भरा हुआ है और चारों तरफ कीचड़ फैला हुआ है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी आंखें मूंदकर बैठे हुए हैं। नगर परिषद की उदासीनता के कारण यह व्यस्त मार्ग अब लोगों के लिए खतरे का रास्ता बन चुका है। नगर के नागरिकों और व्यापारियों का आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद नगर परिषद द्वारा न तो पानी निकासी की कोई स्थायी व्यवस्था की गई और न ही सड़क सुधार का कार्य कराया गया।

राहगीरों का पैदल निकलना भी मुश्किल-मुख्य सड़क पर भरे गंदे पानी और कीचड़ के कारण पैदल राहगीरों को निकलना मुश्किल हो गया है, वहीं दोपहिया वाहन चालक रोजाना फिसलने और दुर्घटना का शिकार होने के डर के बीच आवागमन करने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर परिषद सिर्फ कागजों में विकास कार्य दिखाने में व्यस्त है, जबकि

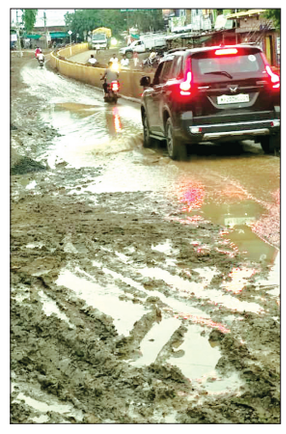

जमीनी हकीकत पूरी तरह बदहाल नजर आ रही है।

लोगों ने दी आंदोलन की चेतावनी-लोगों का आरोप है कि परिषद के अधिकारी केवल औपचारिक निरीक्षण और बैठकों तक सीमित हैं, लेकिन जनता की मूल समस्याओं के समाधान में कोई रुचि नहीं दिखाई दे रही। नागरिकों ने सवाल उठाया है कि आखिर नगर परिषद किसी बड़े हादसे का इंतजार क्यों कर रही है? यदि इसी तरह सड़क पर पानी और कीचड़ जमा रहा तो किसी दिन बड़ा सड़क हादसा हो सकता है। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो नगर परिषद के खिलाफ जन आंदोलन किया जाएगा।

योजनाओं के प्रभावी संचालन के दिए निर्देश

कलेक्टर ने ग्राम बोंदर का किया निरीक्षण

डिंडौरी, नवभारत 16 मई। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने विकासखंड बजाग अंतर्गत ग्राम पंचायत बोदर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गांव में घर-घर निर्मित सोख्ता टैंक, प्रधानमंत्री आवास योजना एवं नल-जल योजना के कार्यों का अवलोकन कर प्रगति की समीक्षा की।

पशुपालन विभाग द्वारा संचालित टीकाकरण अभियान का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को शासन की योजनाओं का नियमित एवं प्रभावी संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान ग्रामीण शुकली बाई मरकाम ने कलेक्टर को अवगत कराया कि तूफान के कारण गांव का एक विद्युत खंभा गिर गया है, जिससे ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को तीन दिवस के भीतर समस्या का निराकरण करने के निर्देश दिए।

पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए-कलेक्टर ने बाजाग के सीईओ, एसडीओ एवं आरईएस अधिकारियों को वर्षा ऋतु पूर्व सभी निर्माण कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। पीएचई विभाग को ग्रामीणों के लिए पेयजल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी प्रदान किए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम रामबाबू देवागंन, सीईओ सचिन अग्रवाल, अफजल उल्ला खान, एसडीईओ वीरसिंह तिलगाम, मनोज उपाध्याय आदि उपस्थित रहे।

व्यक्ति जैसा कर्म करता है, वैसा ही फल मिलता है : शास्त्री

पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष दिलीप पांडे भागवत कथा श्रवण करने पहुंचे

चिल्हारी नवभारत 16 मई। जिले मानपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम चंदवार में पूर्व जनपद सदस्य प्रभु नारायण द्विवेदी एवं भाजपा नेता सुशांत द्विवेदी ग्राम चन्दवार के निज निवास में चल रही श्रीमद्भागवत कथा में पांचवें दिन गोवर्धन पूजा कथा वर्णन किया गया। कथा वाचक श्री श्री1008 डॉ. प्रभु दयाल गौतम शास्त्री ने कहा कि जहां सत्य एवं भक्ति का समन्वय होता है, वहां भगवान का आगमन अवश्य होता है।

उन्होंने कहा कि जब भगवान श्रीकृष्ण नंद गांव पहुंचे तो देखा कि गांव में इंद्र पूजन की तैयारी में 56 भोग बनाए जा रहे हैं। श्रीकृष्ण ने नंद बाबा से पूछा कि कैसा उत्सव होने जा रहा है। नंद बाबा ने कहा कि यह उत्सव इंद्र भगवान के पूजन के लिए हो रहा है, क्योंकि वर्षा के राजा इंद्र हैं और उन्हीं की कृपा से बारिश हो सकती है। श्रीकृष्ण ने इंद्र के लिए हो रहे यज्ञ को बंद करा दिया और कहा कि जो व्यक्ति जैसा कर्म करता है, वैसा ही फल मिलता है।

श्रीकृष्ण ने अपनी अंगुली पर गोवर्धन पर्वत को उठा लिया

ऐसा होने के बाद इंद्र गुस्सा हो गए और भारी बारिश शुरू कर दी। तक भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी अंगुली पर गोवर्धन पर्वत को ही उठा लिया। इसके बाद से ही गोवर्धन पूजा का क्रम शुरू हुआ। वहीं कथा में नंदोत्सव के दौरान पूरा पंडाल खुशी से झूम उठा। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष दिलीप पांडे ने कथा स्थल पर पहुंचकर सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ श्रीमद् भागवत कथा का रसास्वादन किया। उन्होंने भागवत कथा का श्रवण कर व्यास पीठ का आशीर्वाद प्राप्त किया।

कार्यपालन यंत्री को कारण बताओ नोटिस जारी

बिजौरा जलाशय निर्माण कार्य में लापरवाही पर कार्रवाई

डिंडौरी, नवभारत 16 मई। कलेक्टर अजूं पवन भदौरिया ने बिजौरा जलाशय निर्माण कार्य में अत्यंत धीमी प्रगति एवं शासकीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही पाए जाने पर जलसंसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री एसके शर्मा को कारण बताओ नोटिस जारी किया।

जारी नोटिस के अनुसार बिजौरा जलाशय निर्माण कार्य 2022-23 अंतर्गत आवंटित किया गया था, जिसकी मूल एवं समयावृद्धि अवधि 20 अक्टूबर 2025 तक निर्धारित थी। कार्य की कुल स्वीकृत राशि 1111.07 लाख रुपये के विरुद्ध केवल 281.25 लाख रुपये का कार्य ही पूर्ण किया गया है। कार्य की धीमी प्रगति को देखते हुए 21 अक्टूबर 2025 से 31 दिसंबर 2026 तक द्वितीय समयावृद्धि प्रदान की गई थी।

विभागीय निर्देशों की अवहेलना का आरोप

कलेक्टर द्वारा 23 अप्रैल 26 को आयोजित विभागीय समीक्षा बैठक में निर्माण कार्य की प्रगति अत्यंत धीमी एवं असंतोषजनक पाई गई। कार्यपालन यंत्री द्वारा अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन, विभागीय निर्देशों की अवहेलना तथा परियोजना के प्रति गंभीर लापरवाही प्रदर्शित की गई है, जिससे कमाण्ड क्षेत्र के कृषकों को सिंचाई सुविधा मिलने में अनावश्यक विलंब हो रहा है। इस लापरवाही पर कलेक्टर ने 7 दिवस के भीतर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर की चर्चा

हाथी संरक्षण एवं मानव द्वंद्व प्रबंधन पर प्रशिक्षण आयोजित

चिल्हारी नवभारत 16 मई। जिले के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व मे एशियाई हाथी संरक्षण एवं मानव-हाथी द्वंद्व न्यूनीकरण प्रबंधन विषय पर क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण का आयोजन इको सेंटर ताला में किया गया।

कार्यक्रम वाइल्डलाइफ शाखा भोपाल, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, द नेचर कंजरवेंसी एवं एसएनएपी के सहयोग से हुआ। क्षेत्र संचालक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व डॉ.अनुपम सहाय ने बताया कि प्रशिक्षण मे मानव-हाथी द्वंद्व की बढ़ती चुनौतियों के प्रभावी समाधान, वैज्ञानिक प्रबंधन, हाथियों के व्यवहार की पहचान, सामुदायिक सहभागिता तथा फील्ड स्तर पर

सतर्कता एवं प्रशिक्षण की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया गया।

लगभग 60 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया

कार्यशाला में लगभग 60 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमे रेंज अधिकारी, एसडीओ पनपथा बफर एवं अग्रिम पंक्ति के वन कर्मचारी शामिल रहे। इस अवसर पर विशेषज्ञों ने विस्तृत जानकारी दी। साथ ही फील्ड स्टाफ एवं स्थानीय समुदाय की सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की गई। दोपहर बाद आयोजित समूह गतिविधियों में प्रतिभागियों ने अपने मैदानी अनुभव साझा किए तथा विभिन्न परिस्थितियों में मानव-हाथी द्वंद्व प्रबंधन के व्यावहारिक उपायों पर विचार-विमर्श किया।

दहेज में गाड़ी नहीं मिलने पर दूल्हा नहीं लाया बारात

शादी का झांसा देकर लगभग 4 वर्ष से शारीरिक सम्बन्ध बना रहा था

चिल्हारी नवभारत 16 मई। मानपुर से लगभग 10 किलोमीटर दूर ग्राम कोलर निवासी कल्पना यादव ने उमरिया पुलिस अधीक्षक को लिखित आवेदन पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। आवेदन में उसने आरोप लगाया कि दहेज में गाड़ी नहीं देने पर दुल्हा बारात लेकर नहीं आया।

आवेदन पत्र में बताया गया कि मेरी बड़ी बहन की शादी रक्सा निवासी उदयभान पिता रामसरोबर से हुई थी, जिसके दो बच्चे है। मेरी बड़ी बहन का लगभग 4/5 वर्ष पूर्व स्वर्गवास हो गया था। बहन के दोनों बच्चे रियांस, प्रियांश को मैं पालती थी तब उदयभान बोला कि

तुम मेरी साली हो मुझे बहुत अच्छी लगती हो तुमसे विवाह करना चाहता हूं। तब मैंने भी सोचा कि मेरे बड़ी बहन के दो बच्चे हैं वो कहा जाएंगे। दु:ख तकलीफ होगी सोचकर मैं भी उदयभान के साथ सादी करने को तैयार हो गई।

रक्सा में पति-पत्नी की तरह रहने लगे

इसके बाद उदयभान के साथ उसके घर रक्सा में पति-पत्नी की तरह रहने लगे। बाद में ज्वालामुखी मन्दिर मानपुर से शादी कर ली। जब मेरे माता-पिता को पता चला

गाड़ी एवं सोने की अंगूठी नहीं दोगे तो मैं शादी नहीं करूंगा

12 मई को मेरी शादी होना तय हो गई मेरे सभी रिश्तेदार आ गए थे। 11 मई को उदयभान मेरे घर आया और दहेज में देने वाला सामान देखा और बोला कि अपाचे गाड़ी एवं सोने की अंगूठी की मांग की थी नहीं दिख रही है, कहा है। तब मेरे माता-पिता बोले कि अभी तत्काल में व्यवस्था नही है, व्यवस्था होने पर देंगे। तब उदयभान बोला कि अपाचे गाड़ी एवं सोने की अंगूठी नहीं दोगे तो मैं शादी नही करूंगा और बारात लेकर नहीं आऊंगा।

तो मेरी मां उदयभान से बोली कुंवारी लड़की है, हिन्दू रीतिरिवाज से शादी कर बिदा कर देते हैं। तब उदयभान मुझसे हिन्दू रीति रिवाज से शादी करने को तैयार हो गया।

लड़के की मां और बहन ने की मारपीट

12 मई को जब बारात नहीं आई तो मैं उदयभान को फोन लगाने लगी। फोन नहीं लगने पर अपने भाई व रिश्तेदारों को उदयभान के घर भेजा, जहां कोई पता नहीं चला। तब मैं सुबह 13 मई को ग्राम रक्सा उदयभान का पता करने गई तो मुझे रामसरोबर, प्रभा, विवेचना, मां और बहन ने गाली देते हुए मारपीट की, जिससे मैं बेहोश हो गई। मेरे सिर, छाती एवं कमर में असहनीय चोट है। उदयभान मेरे साथ शादी का झांसा देकर लगभग 4 वर्ष से शारीरिक सम्बन्ध बना रहा था।

परेशानी

वाहन चालक हो रहे परेशान, सड़क किनारे बनीं दुकानों में व्यापारियों को सीढ़ी लगाना पड़ रही

सक्का में सड़क निर्माण कार्य बना मुसीबत का सबब

बनी रहती है दुर्घटना की आशंका

इसके साथ ही दोपहिया या चारपहिया वाहनों को इस चढ़ाई में चढ़ने पर भारी मशक्कतों का सामना करना पड़ रहा हैं। वहीं पर आमजनों को भी भारी खतरे से गुजरना पड़ रहा हैं। अधिक भारी वाहन या सवारी गाड़ी भी कभी घाट नहीं चढ़ पाते और पीछे आ जाते हैं, जिससे कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती हैं। अभी से ही बेमौसम बारिश में भारी वाहन तो स्लिप होते ही हैं।

अमरपुर नवभारत 16 मई। जनपद पंचायत अमरपुर क्षेत्रांतर्गत ग्राम सक्का में जन सुविधा हेतु शासन द्वारा अच्छी और चौड़ी सड़क का निर्माण कार्य किया जा रहा हैं। इसी के तहत मंडला से डिंडौरी मार्ग जोकि वर्षों से निर्माणाधीन हैं, परंतु यह सड़क वर्तमान समय में सक्का निवासियों एवं अमरपुर की ओर जाने वाले वाहन चालकों के लिए बड़ी मुसीबत का सबब बना हुआ हैं।

मंडला से डिंडौरी सड़क निर्माण में सक्का ग्राम में सड़क की इतनी खुदाई कर दी गई हैं कि अमरपुर की ओर जाने वाली सड़क पहाड़ जैसे निर्मित हो गई हैं। सड़क किनारे बनीं दुकानों में व्यापारियों को सीढ़ी लगाना पड़ रही हैं।

पेट्रोल-डीजल टैंकरों को भी हो रही परेशानी

अमरपुर पेट्रोल पंप में जाने वाले टैंकर चालक ने बताया कि सक्का में टैंकर बहुत मुश्किल से जा पाता हैं। इस जगह अक्सर बड़ी दुर्घटना की संभावना बनी रहती हैं। यहां से वाहन लेकर जाना हमारी मजबूरी बनी हुई हैं, क्योंकि पेट्रोल और डीजल तो जनता की सुविधा के लिए पंप तक पहुंचा ही पड़ता हैं।

नल-जल योजना की पाइप लाइन निकल गई

इस संबंध में ग्रामीणों ने बताया कि यहां बाइक चालक तो गिरते ही रहते हैं। साथ ही बड़े भारी वाहन रिवर्स हो जाते हैं। जोकि एकाध दिन बहुत ही खतरनाक साबित हो सकता हैं। इसके साथ ही यह भी कहा गया कि जब से सड़क निर्माण का कार्य प्रारंभ हुआ हैं। जिसकी खुदाई में नल जल की पाइप लाइन निकल गई हैं। तभी से नल जल योजना से पानी मिलना भी बंद हो गया हैं।

पानी खरीद कर पी रहे ग्रामीण

इसकी शिकायत कलेक्टर से भी की गई हैं, परंतु आज तक आश्वासन में ही टिके हुए हैं। मजबूरी में ग्रामीणों को 5 रूपए प्रति डिब्बा की दर से पानी खरीदना पड़ रहा हैं। सभी ग्रामवासी चाहते हैं कि सक्का में शुद्ध पेयजल की व्यवस्था के साथ ही अमरपुर सड़क निर्माण कार्य बारिश के मौसम के पूर्व ही अतिशीघ्र कराया जाना जनहित में होगा।

व्यावसायिक पाठ्यक्रम की दी जा रही जानकारी

शास.उच्च.माध्य धिरवनकला में ऑन जॉब प्रशिक्षण शुरू

शहपुरा नवभारत 16 मई। धिरवनकला स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, धिरवनकला में कक्षा 10 वी के जिन विद्यार्थियों ने व्यावसायिक पाठ्यक्रम लिया था ऐसे विद्यार्थियों को ऑन जॉब का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसका शुभारंभ 9 मई को किया गया।

कार्यक्रम प्राचार्य बीसी झारिया एवं व्यावसायिक शिक्षक अभिलाष तिवारी की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं को श्री गोविंद इंस्टीट्यूट आफ एजुकेशन शहपुरा में 20 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है। जहां उन्हें शिवम पाठक द्वारा एमएस आफिस में कार्य कैसे किया जाता है सहित अन्य जानकारियां उपलब्ध करवाई गई। उन्हें बताया गया कि ऑनलाईन कार्य कर रोजगार कैसे प्राप्त कर सकते हैं।

आईटी के विषय की पढ़ाई भी कराई जा रही

चर्चा में व्यावसायिक शिक्षक अभिलाष तिवारी ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार धिरवनकला स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धिरवनकला विद्यालय में व्यावसायिक पाठ्यक्रम जारी है, जहां छात्र-छात्राओं को आईटी के विषय की पढ़ाई करवाई जाती है। शासन के निर्देश है कि व्यावसायिक पाठ्यक्रम की पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राओं को 80 घंटे का ऑन जॉब का प्रशिक्षण दिया जाये।